आइए हम आत्मा की एकता के लिए प्रयत्न करें

पवित्र आत्मा की एकता

पवित्र आत्मा की एकता कलीसिया के जीवन, उसके उद्देश्य और उसकी पहचान की बुनियाद है। यह एक आत्मिक एकता है, जो किसी बाहरी स्वरूप, संप्रदाय या परंपराओं पर आधारित नहीं, बल्कि सत्य पर आधारित है और सात मुख्य बंधनों के द्वारा सुरक्षित है, जैसा कि इफिसियों 4:3-6 में बताया गया है।
इन सात तत्वों को समझने से पहले हमें पवित्र आत्मा के बहुआयामी स्वरूप को समझना आवश्यक है।

परमेश्वर के सात आत्मा — आत्मा की पूर्णता

बाइबल में “परमेश्वर के सात आत्मा” का उल्लेख आता है — यह पवित्र आत्मा के पूर्ण और सम्पूर्ण कार्य का प्रतीकात्मक चित्रण है। इसका यह अर्थ नहीं कि सात अलग-अलग आत्मा हैं, बल्कि यह दिखाता है कि पवित्र आत्मा सम्पूर्ण रीति से और पूर्णता में कार्य करता है।

“तब मैंने देखा कि सिंहासन के बीच में और उन चारों
प्राणियों के बीच में, और प्राचीनों के बीच में एक मेम्ना
खड़ा है, मानो मारा गया हो; उसके सात सींग और सात आंखें थीं;

वे परमेश्वर की सात आत्माएं हैं जो सारी पृथ्वी में भेजी गई हैं।”
प्रकाशितवाक्य 5:6 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

इसी प्रकार परमेश्वर के सिंहासन के सामने सात जलते हुए दीपक भी आत्मा का प्रतीक हैं — जो उसकी उपस्थिति और ज्योति को दर्शाते हैं।

“सिंहासन में से बिजलियाँ, शब्द और गरजन होते थे; और सिंहासन
के सामने सात जलते हुए दीपक थे, वे परमेश्वर की सात आत्माएं हैं।”
प्रकाशितवाक्य 4:5 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

यशायाह 11:2 में आत्मा के वे कार्य बताए गए हैं जो मसीह पर स्थिर रहते हैं और उसी के द्वारा उसकी कलीसिया पर भी प्रकट होते हैं।

“उस पर यहोवा का आत्मा, बुद्धि और समझ का आत्मा, युक्ति और पराक्रम का आत्मा, ज्ञान और यहोवा के भय का आत्मा ठहरेगा।” यशायाह 11:2 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

ये गुण आत्मा के कार्य की पूर्णता को दर्शाते हैं, जो कलीसिया को पवित्र करने और उसमें परिपक्वता लाने के लिए कार्यरत है।

आत्मिक एकता के सात बंधन

(इफिसियों 4:3-6)

“शांति के बंधन में आत्मा की एकता रखने का यत्न करो।
एक ही देह और एक ही आत्मा है; जैसा कि तुम्हें तुम्हारी बुलाहट की एक ही आशा के लिए बुलाया गया है।
एक ही प्रभु, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा।
एक ही परमेश्वर और सब का पिता है, जो सब के ऊपर, सब के मध्य और सब में है।”
इफिसियों 4:3-6 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

आइए अब हम इन सात बंधनों को और गहराई से समझें।

1. एक देह — मसीह की देह अर्थात कलीसिया

“एक देह” का अर्थ है संपूर्ण विश्वव्यापी कलीसिया — मसीह की आत्मिक देह, जिसमें हर नया जन्मा हुआ विश्वासी सम्मिलित है, चाहे वह किसी भी जाति, राष्ट्र या संप्रदाय से हो।

“जैसे शरीर एक है और उसके बहुत से अंग होते हैं, और शरीर के
सब अंग बहुत होने पर भी एक ही शरीर हैं, वैसे ही मसीह भी है।”
1 कुरिन्थियों 12:12 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

“पर अब तुम मसीह की देह हो और अलग-अलग उसके अंग हो।”
1 कुरिन्थियों 12:27 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

यह देह किसी परंपरा या संस्था द्वारा नहीं, बल्कि मसीह — जो उसका सिर है (कुलुस्सियों 1:18) — और आत्मा के कार्य तथा आत्मिक वरदानों (इफिसियों 4:11-13) के द्वारा संचालित होती है। प्रत्येक विश्वासी को उसमें विशिष्ट कार्य सौंपा गया है।

2. एक आत्मा — सत्य का पवित्र आत्मा

सच्ची एकता केवल एक आत्मा के द्वारा ही सम्भव है — वह है पवित्र आत्मा, जो हमें नया जन्म देता है (तीतुस 3:5), हमें मुहर लगाता है (इफिसियों 1:13), और हमें सामर्थ्य प्रदान करता है (प्रेरितों के काम 1:8)। संसार में बहुत से झूठे आत्मा हैं, परन्तु केवल पवित्र आत्मा ही सच्चाई और फल उत्पन्न करता है।

“हे प्रियों, हर एक आत्मा की प्रतीति न करो, पर आत्माओं को
परखो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं या नहीं; क्योंकि बहुत
झूठे भविष्यद्वक्ता संसार में निकल पड़े हैं।”
1 यूहन्ना 4:1 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

आत्मा का फल — प्रेम, आनन्द, शांति, धीरज आदि — यही प्रमाण है कि हम उसी के द्वारा चल रहे हैं।

“पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, शांति, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास … है।”
गलातियों 5:22-23 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

3. एक आशा — महिमा और पुनरुत्थान की आशा

यह “एक आशा” है अनन्त जीवन और मसीह के साथ महिमा की आशा, जो हर विश्वास करने वाले को दी गई है। इसमें मृतकों का पुनरुत्थान, मसीह का पुनरागमन और नया आकाश और नई पृथ्वी सम्मिलित हैं।

“और हमारे बड़े परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की प्रतापमयी आविर्भाव और धन्य आशा की बाट जोहते रहें।”
तीतुस 2:13 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

“तुम में जो मसीह है, वही महिमा की आशा है।”
कुलुस्सियों 1:27 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

यद्यपि कुछ लोग पुनरुत्थान को नकारते हैं (जैसे सदूकी, मत्ती 22:23), फिर भी पवित्रशास्त्र कहता है कि सभी पुनर्जीवित किए जाएंगे — कुछ अनन्त जीवन के लिए और कुछ न्याय के लिए (यूहन्ना 5:28-29)। यही साझी आशा हमें एक बनाती है।

4. एक प्रभु — यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र

यह एक ही प्रभु है — यीशु मसीह, केवल एक ऐतिहासिक व्यक्ति नहीं, बल्कि देहधारी परमेश्वर का पुत्र, जो क्रूस पर मारा गया, पुनर्जीवित हुआ और पिता के दाहिने हाथ बैठा है। वही कलीसिया का सिर है (इफिसियों 5:23)।

“कोई भी कह नहीं सकता कि ‘यीशु प्रभु है’, यदि पवित्र आत्मा
से न कहे।”
1 कुरिन्थियों 12:3 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

पौलुस चेतावनी देता है उन लोगों के लिए जो “दूसरे यीशु” का प्रचार करते हैं — जो झूठा या विकृत चित्र है।

“क्योंकि यदि कोई और आए और ऐसे यीशु का प्रचार करे, जो हमने प्रचार नहीं किया … तो तुम उसे सह लेते हो।”
2 कुरिन्थियों 11:4 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

सच्ची एकता उस सच्चे बाइबिल के यीशु के प्रति आज्ञाकारिता से आती है, जो हमें अपने शत्रुओं से प्रेम करने (मत्ती 5:44), अपने क्रूस को उठाने (लूका 9:23) और आज्ञा पालन में चलने के लिए बुलाता है।

5. एक विश्वास — प्रेरितों की शिक्षा और मसीह में विश्वास

“एक विश्वास” वह सुसमाचार का सत्य है — वह शिक्षा कि उद्धार अनुग्रह से विश्वास के द्वारा, केवल मसीह में है (इफिसियों

2:8-9)। यह विश्वास मसीह की ईश्वरता, मृत्यु, पुनरुत्थान और उसके अद्वितीय मध्यस्थ कार्य को स्वीकार करता है।

“क्योंकि परमेश्वर एक ही है, और परमेश्वर और मनुष्य के बीच
में भी एक ही बिचवई है, अर्थात मसीह यीशु जो मनुष्य है।”
1 तीमुथियुस 2:5 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

“उस विश्वास के लिए पूरा यत्न करो, जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया है।”
यहूदा 1:3 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

हमें उन शिक्षाओं को अस्वीकार करना चाहिए जो अनेक मध्यस्थ (जैसे संत या स्वर्गदूत) या बाइबल के बाहर अन्य अधिकारों को स्थापित करती हैं।

6. एक बपतिस्मा — प्रभु यीशु के नाम में डुबकी द्वारा बपतिस्मा

“एक बपतिस्मा” का अर्थ है पानी में डुबकी द्वारा बपतिस्मा, जो प्रभु यीशु के नाम में लिया जाता है — यही प्रारंभिक कलीसिया

की रीति थी।

“और युहन्ना भी सालिम के पास ऐनोन में बपतिस्मा देता था; क्योंकि वहाँ बहुत जल था।”
यूहन्ना 3:23 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

“पतरस ने उनसे कहा, ‘मन फिराओ, और तुम में से हर एक व्यक्ति
यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लो ताकि तुम्हारे पाप क्षमा
किए जाएँ …’”
प्रेरितों के काम 2:38 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

“तब उसने आज्ञा दी कि वे प्रभु के नाम से बपतिस्मा लें।” प्रेरितों के काम 10:48 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

यह बपतिस्मा हमारे मसीह के साथ मरण, गाड़े जाने और पुनरुत्थान का प्रतीक है (रोमियों 6:4)। एकता का अर्थ है, प्रेरितों की रीति का पालन करना, न कि व्यक्तियों या संप्रदायों की परंपराओं का।

7. एक परमेश्वर और पिता — सृष्टिकर्ता और पालनहार

अंत में, केवल एक परमेश्वर और पिता है — सर्वशक्तिमान, जिसने स्वर्ग और पृथ्वी की रचना की (उत्पत्ति 1:1), जो सबके ऊपर है और सबके मध्य में है और जो अपने बच्चों के साथ रहता है।

“परन्तु हमारे लिए तो एक ही परमेश्वर पिता है, जिससे सब
वस्तुएँ हुईं, और हम उसी के लिए हैं।”
1 कुरिन्थियों 8:6 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

वह कोई मूर्ति, प्रतिमा, मानव या प्रकृति की आत्मा नहीं है, बल्कि जीवित परमेश्वर है, जो अकेला आराधना के योग्य है। सच्ची एकता का अर्थ है आत्मा और सच्चाई में उसकी आराधना करना (यूहन्ना 4:24), बिना किसी मूर्तिपूजा या सांस्कृतिक अंधविश्वास के।

अंतिम प्रेरणा — आत्मा की एकता की रक्षा करो

शैतान इस एकता को तोड़ने के लिए प्रयास करता है, झूठी एकता लाकर — ऐसी एकता, जो मानवतावाद, समझौते या सामाजिक विचारधाराओं पर आधारित हो, लेकिन परमेश्वर के वचन के सत्य से रहित हो। हमें

जागरूक रहना चाहिए क्योंकि आत्मिक एकता कलीसिया की सबसे बड़ी सामर्थ्य है।

“हे भाइयों, मैं तुम से बिनती करता हूँ… कि तुम सब एक ही बात कहो, और तुम में फूट न हो, पर एक ही मन और एक ही सोच में पूर्ण
रूप से जुड़े रहो।”
1 कुरिन्थियों 1:10 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

आइए हम शांति के बंधन में आत्मा की एकता की रक्षा करें, और सत्य, प्रेम तथा परमेश्वर की आज्ञा में चलें।

मरनाथा।

Share on:
WhatsApp